FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Master of Arts (Hindi)

(Semester I-II)

(Under Continuous Evaluation System)

Session: 2020-21

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR

(Autonomous)

Masters of Arts (Hindi)

Session 2020-21

Programme Specific outcomes-

PSO-1: भाषा उच्चारण में निपुणता ,व्याकरण सम्बन्धी अवधारणा की स्पष्टता ।

PSO-2: प्राचीन एवं नवीन हिन्दी कवियों की देन के गहन ज्ञान की प्राप्ति ।

PSO-3: हिन्दी के भाषिक और साहित्यिक रूप के साथ साथ उसके प्रयोजनमूलक रूपों - बैंक,रेलवे ,समाचार पत्र ,रेडियो ,टेलीविज़न ,मीडिया ,अनुवाद की जानकारी एवं रोज़गार के अवसर ।

PSO-4: भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, विभिन्न समीक्षा पद्दतियों का सम्यक ज्ञान । रस,शब्द शक्तियों और विविध वादों का गहन अध्ययन ।

PSO-5: भाषा और भाषा विज्ञान,समाज विज्ञान ,मनोभाषा विज्ञान ,शैलिविज्ञान ,रूपांतरण प्रजनक ,व्यवस्था परक ,प्रकार्य परक व्याकरण की समस्त जानकारी एवं भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य का विश्लेषण करने का सम्पूर्ण ज्ञान ।

PSO-6: देवनागरी लिपि का ज्ञान ,समास,सन्धि,उपसर्ग , प्रत्यय ,लिंग,वचन, कारक की व्यावहारिक जानकारी ।

PSO-7: कोष निर्माण के सिद्दांत ,प्रक्रिया ,विभिन्न कोश ग्रन्थ और विभिन्न कोशकारों का सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान में दक्षता ।

PSO-8: हिन्दी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता के क्षेत्र की सैद्दांतिक और व्यावहारिक जानकारी ,सम्पादन ,प्रूफ पठन,समाचार लेखन व वाचन ,उद्घोषणा:लेखन व वाचन, संवाद ,विज्ञापन,फीचर ,रिपोर्ताज ,पटकथा , डाक्यूमेंट्री ,नाटक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान ।

PSO-9: राजभाषा शिक्षण के अंतर्गत राजभाषा के अधिनियम ,राष्ट्रपति के आदेशों संवैधानिक नियमों की सम्पूर्ण जानकारी और कार्यालयी टिप्पण ,प्रारूपण ,संक्षेपण ,विस्तारण, पत्र लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्दांत की विस्तृत जानकारी

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL - 1261

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: हिन्दी के प्राचीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा उनका हिंदी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-2: हिन्दी के मध्यकालीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा भक्त कवियों का हिन्दी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-3: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों के काव्य में आधुनिकता बोध के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की सांस्कृतिक चेतना सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-5:सूफी काव्य परम्परा की विशेषताओं और महत्व के सम्बन्ध में जायसी के काव्य के महत्व के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-1262

हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–एक)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इतिहास की दृष्टि से साहित्यिक स्तर की रचनाओं का मूल्यांकन करना साहित्य का इतिहास कहलाता है। यदि आधुनिक साहित्य के स्वरूप को जानना है तो यह अत्यंत आवश्यक है कि उसके विगत का विवरण भी जाना जाए।

CO-2: विगत का विवरण एवं बोध जिसने अतीत के जीवन को प्रभावित किया हो और भविष्य के लिए भी संकेत हो, साहित्य का इतिहास कहलाता है।

CO-3: अतः वर्तमान भाषा और साहित्य के विकास को जानने के लिए यह प्रश्न पत्र अनिवार्य है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-1263

भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र में दिए गए पाठ्यक्रम का उद्देश्य साहित्य सृजन के मूल सिद्धांतों के संदर्भ में प्राचीन काव्यशास्त्रीय आचार्यों की स्थापनाओं एवं उनके द्वारा दिए गए सिद्धांतों से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

CO-2: यद्यपि वर्तमान समय में साहित्य के स्वरूप उसके सृजन सिद्धांतों, भाषा एवं शैली में परिवर्तन के परिणामस्वरुप आलोचना के मानदण्डों और समीक्षा पद्धतियों में बदलाव आ चुका है किन्तु विद्यार्थियों को साहित्य सृजन एवं समीक्षा के क्रमिक विकास की जानकारी देना भी अत्यावश्यक है।

CO-3: भारतीय काव्यशास्त्र में हम साहित्य सृजन एवं समीक्षा के सम्बन्ध में विद्वान आचार्यों के द्वारा दिए गए मतों एवं सिद्धांतों के क्रमिक विकास, साहित्य पर उनके प्रभाव और उनके योगदान तथा उनकी सीमाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं।

CO-4: साहित्य सृजन और समीक्षा में नए रुझान और परिवर्तनों के प्रति रुझान उत्पन्न करते हुए साहित्य की नई भाव-भूमि से जोड़ने के लिए पाठ्यक्रम में विभिन्न विचारधाराओं पर आधारित आधुनिक समीक्षा पद्धतियों को भी सज़्मिलित किया गया है।

CO-5: हिन्दी भाषा से जुड़े किसी भी व्यवसाय चाहे वह अध्यापन का हो या समीक्षा का, पत्रकारिता का हो या रचनात्मक लेखन का उसमें प्रदर्शन के लिए काव्यशास्त्र के मूल सिद्धांतों की जानकारी विद्यार्थियों के ज्ञान की सुदृढ़ आधारशिला है किसी भी भवन की मजबूती नींव की तरह।

CO-6: रस अलंकार. छन्द, ध्वनि वक्रोक्ति, औचित्य, प्रतीक, बि□ब इत्यादि का ज्ञान विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति में परोक्ष एवं सूक्ष्म भूमिका निभाने वाले तत्वों की जानकारी उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करती है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-1264

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिन्दी भारत की राष्ट्र भाषा है। यह अन्तर्राष्ट्रीय भाषा भी है। अत: स्वाभाविक ही है की चुनिन्दा भाषाओं में से यह एक महत्वपूर्ण भाषा है।

CO-2: भारत की अभिजात राष्ट्र भाषा होने के कारण देश के प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का व्यापक प्रयोग ही राष्ट्रीयता की दृष्टि से अत्युक्त भी है।

CO-3: हिन्दी राज भाषा से लेकर रेलवे स्टेशन, मन्दिर, धार्मिक स्थलों तक ही सीमित नहीं बल्कि तकनीकी शिक्षा, कानून और न्यायालय, वाणिज्य, व्यापार सभी क्षेत्रों में हिन्दी का व्यापक प्रयोग होता है।

CO-4: इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा के सभी रूपों का गहनतम ज्ञान प्राप्त कर भाषा सम्बन्धी क्षेत्रों में नौकरी पा सकता है।

CO-5: भाषा के विविध क्षेत्रों (कार्यालयी, व्यवसायिक, प्रशासनिक, राजकीय) में पारंगत हो सकता है।

CO-6: कम्प्यूटर व मीडिया के क्षेत्र में भी रोज़गार प्राप्त कर हो सकता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-1265

(वैकल्पिक अध्ययन)

विकल्प -एक

हिन्दी नाटक और रंगमंच

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: नाटक हिन्दी गद्य साहित्य की अन्यतम विधा है। हिन्दी में नाटकों का प्रारंभ भारतेन्दु से माना जाता है।

CO-2: भारतेन्दु युग के नाटककारों ने लोक चेतना के विकास के लिए नाटकों की रचना की ताकि उस समय की सामाजिक समस्याओं को नाटकों में अभिव्य€त किया जा सके।

CO-3: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल में भारतेन्दु युग में नाटकों के विकास तथा रंगमंच के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा महान नाटककारों भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद तथा लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों का अध्ययन करेंगे।

CO-4: यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों की रंगमंच के प्रति रुचि उत्पन्न करेगा और उनकी सृजनात्मक क्षमता को उभारने में मदद करेगा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प-दो

कोश विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कोश विज्ञान की उत्पत्ति, अर्थ, पर्याय, विलोम आदि जानने का सबसे सरल, उपयोगी एवं अनुकरणीय माध्यम है।

CO-2: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी कोश की उपयोगिता और कोश और व्याकरण के अन्तरस□बन्ध के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

CO-3: कोश के निर्माण की प्रक्रिया, कोश के प्रकार, कोश निर्माण में आने वाली कठिनाइयों के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकता है

CO-4: कोश विज्ञान के साथ, ध्वनि, व्याकरण व्युत्पत्ति शास्त्र और अर्थ विज्ञान का गहन अध्ययन-विशलेषण करने में सक्षम हो सकता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प-तीन

पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिन्दी भाषा और साहित्य के उत्थान में हिन्दी भाषी प्रदेशों का ही नहीं अपितु हिन्दीतर प्रदेशों का भी बहुत योगदान है।

CO-2: पंजाब का इस क्षेत्र में अवदान अनुकरणीय है।

CO-3: इस प्रश्नपत्र में पंजाब के हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि, इतिहास के अतिरि€त विद्यार्थी, गुरु काव्यधारा, राम काव्यधारा, कृष्ण काव्यधारा व सूफी काव्यधारा के अधययन के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि में उपलŽध भ€ित कालीन गध्य साहित्य का ज्ञानार्जन कर सकेगा।

CO-4: गुरुमुखी लिपि में उपलŽध दरबारी काव्य तथा श्री मद् भगवदगीता के संदर्भ में अनुवाद एवं भाष्य का अध्ययन कर सकेगा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL - 2261

मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी 'मध्ययुगीन हिन्दी काव्य के अंतर्गत तुलसी, मीरा जैसे भक्त कवि और रीति कवि बिहारी के काव्य के गूढ़ार्थ से परिचित होंगे |

CO-2: राम काव्य सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करते हुए तुलसीदास की समन्वय साधना, लोकनायकत्व, भक्ति भावना एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन करने में समर्थ होंगे |

CO-3: मीराबाई के काव्य के अध्ययन से विद्यार्थी उनकी भक्ति भावना, दार्शनिक सिद्धांत एवं काव्य सौष्ठव का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

CO-4: रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई के गहन अध्ययन से विद्यार्थी सतसई में वर्णित भक्ति, नीति, श्रृंगार से संबंधित बिहारी के अभिधार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ को समझेंगे |

CO-5: समग्रत: मध्युगीन भक्ति काव्य विद्यार्थियों को नवीन शोध हेतु प्रेरित करने में सक्षम होगा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2262

हिन्दी साहित्य का इतिहास (खण्ड–दो)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इतिहास की दृष्टि से साहित्यिक स्तर की रचनाओं का मूल्यांकन करना साहित्य का इतिहास कहलाता है। यदि आधुनिक साहित्य के स्वरूप को जानना है तो यह अत्यंत आवश्यक है कि उसके विगत का विवरण भी जाना जाए।

CO-2: विगत का विवरण एवं बोध जिसने अतीत के जीवन को प्रभावित किया हो और भविष्य के लिए भी संकेत हो, साहित्य का इतिहास कहलाता है।

CO-3: अत: वर्तमान भाषा और साहित्य के विकास को जानने के लिए यह प्रश्न पत्र अनिवार्य है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2263

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: भारतीय काव्यशास्त्र के परिचय के उपरांत इस पाठयक्रम के द्वारा विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्रमिक विकास के अन्तर्गत प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस से लेकर आधुनिक युग में पाश्चात्य आलोचकों की साहित्य एवं साहित्य की समीक्षा से स□बन्धित विभिन्न धारणाओं से अवगत होंगे।

CO-2: आधुनिक युग में स्वच्छन्दतावाद, अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद इत्यादि दार्शनिक विचारधाराओं के स्वरूप और विशेषताओं को जानेंगे ।

CO-3: आधुनिक युग के साहित्य पर इन विचार सरणियों के प्रभाव के परिणामस्वरुप साहित्य में आए परिवर्तनों के मूल्यांकन की योग्यता प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2264

मीडिया–लेखन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: माडिया को लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। इसीसे इसके महत्व का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

CO-2: समाज में मीडिया की भूमिका संवाद वहन की होती है।

CO-3: आधुनिक युग में मीडिया का सामान्य अर्थ समाचार पत्र, पत्रिकाओं, टी.वी., रेडियो व इंटरनेट आदि से लिया जाता है। आज मीडिया की ताकत से कोई अन्जान नहीं है।

CO-4: इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संबंधी सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त कर मीडिया की बारीकियों को जानकर पत्रकारिता के क्षेत्र में अग्रसर हो सकता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–एक

नाटककार मोहन राकेश

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: मोहन राकेश हिन्दी जगत में कभी न भूला जाने वाला नाम है। उनकी नाट्यकृतियों से साहित्य तो समृद्ध हुआ ही, भारतीय रंगमंच को भी एक नई ज़मीन मिली।

CO-2: क–भ्त में संगीत नाटक अकादमी द्वारा मोहन राकेश के 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण के लिए पुरस्कृत किया गया। उसके बाद से नाटक लगातार आगे बढ़ता जा रहा है।

CO-3: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटककार मोहन राकेश के स□पूर्ण नाटकों का अध्ययन करने के उपरान्त नाटकों के माध्यम से मोहन राकेश के जीवन, उनके नाट्य प्रयोगों तथा उनकी नाट्य भाषा को जानने, समझने में सक्षम हो पाएंगे।

CO-4: साथ ही वे नाटकों के मूलपाठ, लेखकीय भूमिका और सृजन प्रक्रिया के सबंध में भी गहन अध्ययन कर सकेंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–दो

भारतीय साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: स□पूर्ण भारतीय साहित्य के बारे में जानने के लिए यह प्रश्नपत्र स□पूर्ण भारत को जोड़ने का काम करता है।

CO-2: अपने–अपने क्षेत्रों के अतिरिक्त संपूर्ण भारत में किन–किन साहित्यकारों ने हिन्दी भाषा और साहित्य में अपना योगदान दिया है इसकी पूरी जानकारी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से मिलेगी।

CO-3: उड़िया, बंगला और मराठी के क्रमशः कविताएं, उपन्यास और नाटक के अनुवाद माध्यम से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की समृद्ध परज़्परा से परिचित होता है।

CO-4: इन तीनों विधाओं का हिन्दी से तुलनात्मक अध्ययन विद्यार्थी की विश्लेषण की दृष्टि को भी विकसित करता है।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प-तीन

पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिन्दी की विविध विधाओं के विकास में पंजाब का योगदान अतुलनीय है।

CO-2: इस प्रश्नपत्र में पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि के हस्ताक्षरों का अध्ययन भी विद्यार्थी कर सकेगा।

CO-3: पंजाब के साहित्यकारों ने कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक यहां तक कि पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है।

CO-4: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य की जानकारी भी मिलती है जो निश्चित रूप से हिन्दीभाषा और साहित्य के स्तर को गरिमा प्रदान करती है।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts (HINDI)
(Semester: III –IV)

(Under Continuous Evaluation System)

Session: 2020-21

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2020-21

Course Code: MHIL - 3261

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: हिन्दी के प्राचीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा उनका हिंदी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-2: हिन्दी के मध्यकालीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा भक्त कवियों का हिन्दी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-3: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों के काव्य में आधुनिकता बोध के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की सांस्कृतिक चेतना सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-5:सूफी काव्य परम्परा की विशेषताओं और महत्व के सम्बन्ध में जायसी के काव्य के महत्व के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2020 -21

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक गद्य साहित्य हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य का परिचायक प्रश्नपत्र है जिसमें महादेवी वर्मा कृत 'अतीत के चलचित्र' संस्मरण साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन स्त्री की स्थिति का मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और संस्मरण साहित्य विधा को जानने में सक्षम होंगे|

CO-2: राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह 'एक दुनियां समानांतर' में संकलित कहानियों के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी के उच्चकोटि के कथाकारों के साहित्यिक अवदान एवं कहानियों में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे|

CO-3: आधुनिक हिंदी साहित्य का उच्चकोटि का उपन्यास 'गोदान' प्रेमचंद की ऐसी कृति है जिसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन समाज की विसंगतियों, समस्याओं से जूझते पात्रों की अलक्षित सामर्थ्य एवं शक्ति से परिचित होंगे| इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए शोध के नवीन द्वार खुलते हैं|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2020 -21

Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी का संरचनात्मक स्तर पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-2: भाषा के सही उच्चारण का कौशल प्राप्त कर सकते हैं|

CO-3: समय के बदलते परिवेश के अनुसार भाषा के रूप, वाक्य और अर्थ परिवर्तन की जानकारी हासिल कर सकते हैं|

CO-4: विभिन्न भाषाओं के व्याकरणिक स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन की प्रवृत्ति पा सकते हैं|

CO-5: भाषा विज्ञान के विभिन्न व्याकरणों एवं विज्ञानों का सम्यक् अध्ययन करने में सक्षम हो सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2020-21
Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी रेडियो , टी.वी, समाचार पत्र हिन्दी विशेषग्य ,प्रोग्राम प्रोड्यूसर , संपादक, संवाददाता , अनुवादक , प्रूफ रीडर , के रूप में रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।

CO-2:इस डिप्लोमा से प्राप्त योग्यता के आधार पर विद्यार्थी मीडिया हेतु विज्ञापन,पटकथा,संवाद एवं गीत लेखन के व्यवसाय को भी विकल्प के रूप में अपना सकता है।

CO-3: विद्यार्थी स्वतंत्र संवाददाता एवं स्तम्भ लेखक के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं।

CO-4: विद्यार्थी बतौर समीक्षक अपनी पहचान बनाने में योग्य होंगें।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2020 - 21

Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प - एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न - पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिक्खों के प्रथम गुरु के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-2: गुरु नानक जी की वाणी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-3: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से उनके विचारों और जीवन में उनके महत्व के बारे में जानकारी हासिल कर सकते है |

CO-4: गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से गुरुमुखी लिपि में रचित हिंदी साहित्य के प्रति जागरूक होगें |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2020-21
Course Code: MHIL - 3265

सूरदास

विकल्प - दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे |

CO-2: मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित दार्शनिक भूमिका की समझने में सक्षम होंगे |

CO-3: सूरकाव्य में निहित संगीत, लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ - साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण - रस, छंद, अलंकार इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे |

CO-4: सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थिओं किन रूचि प्रोत्साहित होगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2020 - 21

Course Code: MHIL -3265

हिन्दी कहानी

विकल्प - तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

:1-COकहानी साहित्य को आत्मसात करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है |इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी – वर्ग को कहानी के स्वरूप,विकास यात्रा, कहानी के आन्दोलनों एवं समकालीन कहानी साहित्य की विशेषताओं का विस्तृत एवं गहन ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-2:अज्ञेय की कहानियों के माध्यम से महानगरीय जीवन की विसंगतियों से जूझते मनुष्य से साक्षात्कार कर विद्यार्थी उनकी समस्याओं से अवगत होंगे |

CO-3:भीष्म साहनी की कहानियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समक्ष पंजाब की तत्कालीन स्थिति, विभाजन की त्रासदी से उत्पन्न संत्रास, विदेशी वातावरण में अपनी मिट्टी की महक के दर्शन होंगे |

CO-4:मन्नू भंडारी की कहानियों के द्वारा विद्यार्थी समकालीन संदर्भ में स्त्री की स्थिति, आधुनिक युग की समस्याओं से दो - चार होती, जूझती नारी एवं स्त्री अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का साक्षात्कार करेंगे |

CO-5:समग्रत: प्रश्नपत्र विद्यार्थी वर्ग के लिए आगामी शोध के लिए ज़मीन तैयार करता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2020-21

Course Code: MHIL - 4261

मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी 'मध्ययुगीन हिन्दी काव्य के अंतर्गत तुलसी, मीरा जैसे भक्त कवि और रीति कवि बिहारी के काव्य के गूढ़ार्थ से परिचित होंगे |

CO-2: राम काव्य सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करते हुए तुलसीदास की समन्वय साधना, लोकनायकत्व, भक्ति भावना एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन करने में समर्थ होंगे |

CO-3: मीराबाई के काव्य के अध्ययन से विद्यार्थी उनकी भक्ति भावना, दार्शनिक सिद्धांत एवं काव्य सौष्ठव का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

CO-4: रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई के गहन अध्ययन से विद्यार्थी सतसई में वर्णित भक्ति, नीति, श्रृंगार से संबंधित बिहारी के अभिधार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ को समझेंगे |

CO-5: समग्रत: मध्युगीन भक्ति काव्य विद्यार्थियों को नवीन शोध हेतु प्रेरित करने में सक्षम होगा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2020 - 21

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: यह प्रश्नपत्र साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराता है | यह निबंध, नाटक एवं आत्मकथा साहित्य की त्रिवेणी है जिसमे स्नात होकर विद्यार्थी अपने ज्ञान को सम्पुष्ट करता है |

CO-2: विभिन्न निबंधकारों के निबंधों में साहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृति एवं सभ्यता का पुट मिलता है |

CO-3: 'आधे–अधूरे' के माध्यम से न केवल मोहन राकेश अपितु उनकी नाट्य दृष्टि, रंगमंचीयता एवं जीवन के आधे – अधूरेपन की त्रासदी से विद्यार्थी परिचित होंगे इस कृति के माध्यम से वे नाटककार के दृष्टिकोण से भी परिचित होंगे |

CO-4: आत्मकथा – 'सत्य के प्रयोग' के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन के सूक्ष्म दर्शन होंगे और साथ ही राष्ट्र के लिए गाँधी द्वारा किये गए प्रयासों एवं उनके त्याग से वे रूबरू होंगे |

CO-5: तीनो विधाएं विद्यार्थियों के लिए साहित्य के मार्ग पर अग्रसर होने के लिए उनके आधारभूमि तैयार करती हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2020 - 21

Course Code: MHIL – 4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ - साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान |

CO-2: हिंदी की व्याकरणिक कोटियों के अध्ययन से भाषा के व्याकरणिक आधार को समझने की योग्यता का विकास |

CO-3: हिंदी की शब्द सम्पदा के अन्तर्गत तत्सम, तद्भव, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों- अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी के शब्दों के परिचय से हिंदी की भाषायी क्षमता एवं आत्मसातीकरण की प्रवृत्ति का बोध |

CO-4: देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2020-21

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: बहुभाषी देश भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी के महत्व का बोध |

CO-2: कार्यालयी एवं प्रशासनिक भाषा के रूप में हिंदी की प्रकृति का ज्ञान |

CO-3: बतौर राजभाषा हिंदी के उद्भव और विकास का परिचय |

CO-4: राजभाषा हिंदी के विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं, केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के द्वारा किये जा रहे प्रयत्नों की जानकारी |

CO-5: भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर हिंदी के सामर्थ्य एवं भविष्य की जानकारी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2020 -21

Course Code: MHIL - 4265

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन

विकल्प-एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: गुरु काव्य परम्परा में गुरु तेग बहादुर जी के योगदान का परिचय |

CO-2: गुरु तेगबहादुर जी के काव्य के दार्शनिक चिन्तन के व्याख्यात्मक पक्ष की अनुभूति |

CO-3: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी के सांस्कृतिक पक्ष के दर्शन |

CO-4: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी में अद्वैत दर्शन |

CO-5: वाणी के माध्यम से गुरु काव्य परम्परा एवं आदि ग्रंथ के समन्वयात्मक संदेश से साक्षात्कार |

CO-6: वाणी के माध्यम से तत्कालीन सन्दर्भों का सूक्ष्म अध्ययन |